"चित्रलतिका"

भारत रत्न स्वर्गीय लता मंगेशकर जी के जीवन पर आधारित पेंटिंग श्रृंखला।

लिम्का बुक, एशिया बुक एंड इंडिया बुक रिकॉर्ड होल्डर कलाकार **रामकृपाल नामदेव** द्वारा

कार्यक्रम का स्थान:

जहांगीर आर्ट गैलरी 161-बी, एम.जी. सड़क

काला घोड़ा, मुंबई 400001

समय: सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक।

संपर्क: 9589017969

www.artistramkripal.com

ईमेल: artist.ramkripal@gmail.com

भारतरत्न स्वर कोकिला स्वर्गीय लता मंगेशकर को सचित्र श्रद्धांजलि

भारत डब्ल्यूटीसी की कार्यकारी निदेशक **रूपा नाइक** जी करेंगी चित्रलटिका का उद्घाटन

(रूपा नाइक जी ने एआईएमओ (अखिल भारतीय निर्माता संगठन), एआईएआई (ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज), और वर्तमान में एमवीआईआरडीसी वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई के साथ शुरू होने वाले व्यापार संगठनों के साथ 30 + वर्षों के अपने पेशेवर करियर में, व्यापार संवर्धन और व्यापार सुविधा में कई भूमिकाएँ निभाई हैं। इसमें राज्य और केंद्र सरकारों को नीति निर्माण में मदद करना, प्रतिनिधित्व करना शामिल है)

समय : 18 अप्रैल शाम 5:30 बजे

रामकृपाल नामदेव एक दुर्लभ कलाकार हैं, जिनकी चित्रकला की अपनी एक अनूठी शैली है। जबलपुर के इस कलाकार ने लताजी और गांधीजी को बहुत अलग तरीके से चित्रित किया है जिसके लिए उनका नाम 3 रिकार्ड बुक्स द्वारा दर्ज किया गया है. प्रसिद्ध संस्थान एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स समेत सभी ने प्रमाण पत्र प्रदान किए हैं और उन्हें उनकी असामान्य उपलब्धि के लिए सम्मानित किया है।

यह उनकी 11वीं एकल प्रदर्शनी है। उन्होंने इससे पहले दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर और जबलपुर में एकल और समूह प्रदर्शनियों में प्रदर्शन किया है।

आइए अब जानते हैं उनकी चित्रकला के खास और अनोखे अंदाज के बारे में। लताजी की एक पेंटिंग में, उन्होंने विश्व प्रसिद्ध महिलाओं के 630 चेहरों को चित्रित किया है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में योगदान दिया है। एकत्रित 630 महिला व्यक्तित्वों का उनकी छवियों के साथ डेटा अपने आप में एक

बहुत बड़ा काम है और उन्हें पृष्ठभूमि में लघु शैली में चित्रित करना दुर्लभ है। इसके अलावा लता जी के 299 चेहरों और उन्होंने अंग्रेजी वर्णमाला में लता नाम के अक्षरों के साथ साथ अग्रभूमि में लताजी के चित्र को भी चित्रित किया है। एक अन्य पेंटिंग में, उन्होंने लताजी की अन्य सभी प्रसिद्ध हस्तियों द्वारा उनके पूरे जीवन की भेंट को पृष्ठभूमि में और लताजी को अग्रभूमि में चित्रित किया है।

गांधीजी को इसी तरह चित्रित करते हुए, उन्होंने गांधीजी के समकालीनों के 230 देशभक्तों को पृष्ठभूमि में और गांधीजी को अग्रभूमि में चित्रित किया है, यह दर्शाने की कोशिश कर रहे हैं कि गांधीजी उन सभी सेनानियों हेतु मुख्य प्रेरणा स्रोत थे. यहां 230 देशभक्तों और उनकी छवियों का डेटा एकत्र करना अपने आप में एक अनूठा कार्य है। उन्होंने कैनवास के माध्यम पर अपने सभी चित्रों को कौशल और सराहनीय धैर्य के साथ आयल कलर से रंगा है.

इस चित्र श्रंखला में लताजी पर कई पेंटिंग हैं, इसलिए इस प्रदर्शनी का नाम "चित्रालतिका" रखा गया है। श्री नामदेव ने लताजी और गांधीजी के अलावा भगवान शिव जैसे अन्य विषयों को भी चित्रित किया है, जिसमें भगवान हनुमान, भगवान गणेश, राम-सीता, छोटी लड़की और कुछ अन्य चित्र शामिल हैं.